जल पर्यावरण पर
हिन्दी संगोष्ठी

10 जून, 2016

पंजीकरण प्रपत्र

नाम/ **Name:**..

पदनाम/**Designation:**..

संगठन/ **Organisation:**..

डाक पता/**Mailing Address:**..

....

....

दूरध्वनि / **Tel:**.................... मोबा...................

कार्यालय / **Off**..

निवास / **Res**..

फैक्स / **Fax:**..

ई-मेल/**e-mail:**..

पंजीकरण शुल्क की राशि रू .... का डिमान्ड ड्राफ्ट

क्रमांक .... दिनांक ....

को भुनाने हेतु संलग्न है ।

दिनांक :

हस्ताक्षर/Signature

अनुसंधान शाला का इतिहास

1916 में स्थापित केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला (केजविअशा) विश्व की ऐसी चुनी हुई संस्थाओं में से एक है, जहाँ जल के निर्माण से उसके सागर को मिलने तक के पूरे जीवन चक्र से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध कार्य किया जाता है । आज विश्व में जल संसाधन का विकास, संबंधित पर्यावरणीय समस्याओं से जुड़ा हुआ है । जल संसाधन, ऊर्जा तथा जल परिवहन आदि परियोजना से संबंधित विभिन्न समस्याओं के तकनीकी समाधान जो वित्तीय दृष्टिकोण से भी व्यवहार्य हो, ढूँढ़ने का उत्तरदायित्व अनुसंधान शाला पर है । पिछले सौ वर्षों में अनुसंधान शाला ने अपने देश और पड़ोसी देशों की कई परियोजनाओं में अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं। अनुसंधान शाला के क्रियाकलापों में निम्नलिखित प्रमुख शाखाओं में किए गए अध्ययन सम्मिलित हैं :

- जल इंजीनियरी
- नदी तथा जलाशय प्रणाली प्रतिमानन
- जलाशय तथा संबंधित संरचनाएं
- तटीय तथा तटदूर इंजीनियरी
- बुनियादें तथा संरचनाएँ
- प्रयुक्त भू-विज्ञान
- गणितीय यंत्रिकरण, अशांकन तथा परीक्षण सुविधाएं

आंतरिक विकास, सरकारी सहायता तथा पिछले सौ वर्षों से प्राप्त कार्यकुशलता से विकसित यह अनुसंधान शाला भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम है तथा अपने "अनुसंधान के माध्यम से सेवा" इस घोष के ज़रिए देश निर्माण के प्रयासों में अपना योगदान और अपने अमूल्य ग्राहकों को निरंतर सेवाएँ प्रदान करती रहेगी ।

सत्यमेव जयते

जल पर्यावरण
पर
हिन्दी संगोष्ठी

10 जून, 2016
पुणे

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे — अनुसंधान के माध्यम से सेवा — CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION, PUNE — Service through Research

आयोजक

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला
खडकवासला, पुणे - 411024
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय

उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र :

भारतवर्ष के दीर्घकालिक विकास के संदर्भ में जल संसाधन के विकास संबंधित पर्यावरणीय समस्याओं से जुड़े विषय पर गहन विचार-विमर्श करने तथा इनसे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर व्यापक परिचर्चा करने के उद्देश्य से पुणे स्थित केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला में एक राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी आयोजित की जा रही है।

तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता एवं स्थान देने के उद्देश्य से इस संगोष्ठी की समूची कार्यवाही राजभाषा हिंदी में आयोजित की जाएगी। इस बहुभाषी देश में जनमानस द्वारा सर्वाधिक बोली जाने वाली हमारी राजभाषा हिंदी सर्वोत्तम माध्यम है। अत: इस संगोष्ठी के संपूर्ण वैचारिक आदान-प्रदान हेतु हिंदी भाषा का चयन किया गया है ।

यह संगोष्ठी जल की मात्रा, गुणवत्ता, मांग, उपयोगिता व आपूर्ति के लिए एक ऐसा प्रेरक मंच होगा, जहां पर देश के दीर्घकालिक विकास के लिए जल संसाधन प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा-परिचर्चा की जाएगी तथा उपयुक्त एवं बेहतर प्रबंधन के लिए उपाय ढूंढे जाएंगे।

संगोष्ठी के विषय :

1) जल संसाधन प्रबंधन
2) जल ऊर्जा तथा जल परिवहन
3) जल गुणवत्ता पर विकास कार्यों का प्रभाव
4) तटीय तथा बंदरगाह पर जल प्रबंधन
5) जल पर्यावरण के संरक्षण हेतु उपाय
6) जल चक्र पर बदलते मौसम का प्रभाव

स्थान और तिथि :

संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 10 जून, 2016 को 0930 से 1700 बजे तक केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खडकवासला, पुणे-411 024 में किया जाएगा ।

शोध पत्र आमंत्रण :

उपरोक्त कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विषयों पर शोध पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। शोध पत्र का सारांश 500 शब्दों से अधिक न हो और पूर्ण शोध पत्र में जिन कार्यों का वर्णन किया जाना है उनका उद्देश्य, परिणाम तथा निष्कर्ष सारांश में स्पष्ट रूप में दिया जाना चाहिए। शोध पत्र के शीर्षक, लेखकों के नाम, पदनाम, पता, ई-मेल एवं फोन नंबर का उल्लेख स्पष्ट रूप में किया जाए। सारांश की सॉफ्ट कॉपी यूनिकोड फोन्ट में दिनांक 30 अप्रैल, 2016 तक भेजी जानी अपेक्षित है । सारांश की स्वीकृति की सूचना 15 मई 2016 तक आपको भेजी जाएगी । शोध पत्र ए-4 आकार के अधिक से अधिक 7 पृष्ठ, सिंगल स्पेस, यूनिकोड फोन्ट में ई-मेल (hindiofficer@cwprs.gov.in) द्वारा 30 मई, 2016 तक भेजे जाने अपेक्षित हैं ।

शोध पत्रों का प्रकाशन :

संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्रों का संकलन कर एक सी. डी. के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। यह सी. डी. सभी प्रतिभागियों को संगोष्ठी के उद्घाटन दिवस पर पंजीकरण के साथ उपलब्ध कराई जाएगी। जल संसाधन के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थानों/ कार्यालयों को भी यह सी. डी. उनके सुलभ हवाले हेतु उपलब्ध कराई जाएगी।

महत्त्वपूर्ण तिथि :

30 अप्रैल 2016 : सारांश स्वीकृति की अंतिम तिथि

15 मई, 2016 : सारांश स्वीकृति की सूचना

30 मई, 2016 : पूर्ण शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि

पंजीकरण :

प्रस्तावित एक दिवसीय राष्ट्रीय हिन्दी संगोष्ठी में जल संसाधन के विकास एवं पर्यावरण क्षेत्र में कार्यरत इंजीनियर, वैज्ञानिक, सलाहकार, शिक्षाविद् एवं विद्यार्थियों का शामिल होना अपेक्षित है।

पंजीकरण शुल्क :

इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क रुपये 2000/- सरकारी कर्मचारी, रू 2500/- निजी कार्यालय और रू 1000/- छात्रों के लिए निर्धारित किया गया है। पंजीकरण शुल्क डिमांड ड्राफ्ट द्वारा अधिशासी अभियंता (सिविल), सी. डब्ल्यू. एण्ड पी. आर. एस., पुणे के नाम पर देय हो।

निवास :

प्रतिभागियों के लिए सीमित आवास, न्यूनतम दरों पर, **'पहले आओ-पहले पाओ'** के आधार पर के.ज. वि.अ. शा. के अतिथि गृह में उपलब्ध है। प्रतिभागियों का नामांकन, पंजीकरण फार्म के साथ दिनांक 30 मई, 2016 तक केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खडकवासला, पुणे-411 024 में आरक्षित करने के लिए भेजा जा सकता है।

संयोजक :

डॉ. (श्रीमती) वर्षा विनायक भोसेकर, वैज्ञानिक "ई",
केजविअशा, खडकवासला, पुणे-411024

ई-मेल: bhosekar_vv@cwprs.gov.in
फोन: 020-24103307; मोबाइल: 8605016818
फैक्स/Fax: 020-24381004

सह-संयोजक - संपर्क हेतु पता :

डॉ. (श्रीमती) शांति वैद्य, वैज्ञानिक "डी" एवं राजभाषा अधिकारी
केजविअशा, खडकवासला, पुणे-411024

ई-मेल : vaidya_sp@cwprs.gov.in
फोन : 020-24103262; मोबाइल : 9657150099
फैक्स / Fax: 020-24381004